हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 14 जनवरी 2024

तापमान

अधिकतम 16.2 डिग्री
न्यूनतम 3.6 डिग्री

11 लोकतांत्रिक देश के लिए मतदान बहुत ही जरूरी : लोहान

12 लोहड़ी पर्व पर हरियाणावी एवं पंजाबी गीतों पर थिरकी छात्राएं

खबर संक्षेप

चिट्टा सप्लाई करने वाली महिला सप्लायर काबू

हांसी। जिलेभर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में थाना शहर हांसी पुलिस ने चिट्टा सप्लाई करने वाली असल महिला सप्लायर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित महिला की पहचान सांई कालोनी निवासी कांता के रूप में हुई है। आरोपित महिला कांता ने अपनी ही बहन साई कॉलोनी हांसी अनीता को गत दिनों पहले 6 ग्राम चिट्टा सप्लाई किया था।

हत्यारोपियों का साथ देने वाला आरोपी गिरफ्तार

हांसी। पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने प्रदीप उर्फ काला बडाला की हत्या करने के मुख्य आरोपियों का साथ देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित की पहचान गांव जमावड़ी व हाल मुलतान कॉलोनी निवासी विकास के रूप में हुई है।

संयुक्त भारतीय धर्म संसद का मिलन समारोह आज

हिसार। संयुक्त भारतीय धर्म संसद हरियाणा की ओर से 14 जनवरी रविवार को मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। संसद के राष्ट्रीय महामंत्री रामफल शर्मा पाबड़ा वाले ने बताया कि लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के अवसर पर समारोह का आयोजन सेक्टर 27-28 इंडस्टीयल एरिया में बीएसएनएल एक्सचेंज के सामने किया जाएगा।

बधावड में आज होगी खेल प्रतियोगिताएं

बरवाला। गांव बधावड़ में 14 जनवरी को डीवाईएफआई की और से मकर संक्रांति के अवसर पर युवाओं की 100 मीटर रेस, बुजर्गों की रेस, महिला रेस व रस्साकशी आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। भारत की जनवादी नौजवान सभा के जिला प्रधान जितेंद्र बूरा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन सभा के पूर्व नेता दिनेश सिवाच व जिला सचिव मुकेश दुर्जनपुर करेंगे।

जन्ममहोत्सव पर कार्यक्रम आज

हिसार। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीश्री 1008 श्री गुरु ब्रह्मानंद महाराज का 35 वां जन्महोत्सव 14 जनवरी को बड़े हर्षोल्लास के साथ कैमरी रोड ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम मनाया जाएगा। आश्रम के गद्दीनशीन परमपूज्य स्वामी राजेश्वरानंद महाराज ने बताया कि 14 जनवरी को सुबह विद्वान ब्राह्मणों द्वारा हवन यज्ञ किया जाएगा। उसके उपरांत देशी घी का विशाल भंडारा लगाया जाएगा व समस्त साधु समाज को गर्म कंबल का वितरण होगा।

नौकरी के बदले नियम वापस लेने की मांग

हिसार। लोकस्वराज पार्टी के हरियाणा अध्यक्ष अनिल शर्मा सातरोड़िया ने प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश से बाहर के नगारिकों को सरकारी नौकरी देने के लिए बदले गए नियम का पुरजोर विरोध किया है। शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार को इस नियम को तुरंत प्रभाव से वापिस लेना चाहिए ताकि हरियाणा के सामान्य श्रेणी के नागरिकों को सरकारी नौकरियों में मिलने वाला हक मरने से बच सके।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार। राष्ट्रीय युवा दिवस पर इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के परिसर में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न स्पधाअरं का आयोजन किया गया। भाषण, कविता व नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा शहरी मंडल उपाध्यक्ष व जिला संयोजक पूर्वांचल केपी गुप्ता मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच की महिला प्रमुख एवं समाजसेवी मोना जैन विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रही।

निगमायुक्त ने किया गो-अभ्यारण्य व कचरा प्रोसेसिंग प्लांट का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शनिवार को निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने गो-अभ्यारण्य, कचरा प्रोसेसिंग प्लांट व कुरूक्षेत्र गोशाला में बने गो चिकित्सालय का निरीक्षण किया। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि नगर निगम का यह अभ्यारण्य हरियाणा का सबसे बड़ा गो-अभ्यारण्य है जिसमें गोवंश की सर्वोत्तम व्यवस्था की गई है। आईसीयू से लेकर उनके रहने का खान-पान से लेकर पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि गो-अभ्यारण में सर्दी के समय शैडों पर पर्दे की व्यवस्था की गई है।

ढंडूर गो-अभ्यारण्य में गोवंश की सर्वोत्तम व्यवस्था : दहिया

हॉल बनाने के एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश

संस्था के सदस्य हरि सिंह बेनीवाल ने गो-अभ्यारण में एक हॉल बनाने की मांग की तो निगम आयुक्त ने अधिकारियों को उनके एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कहा कि गो-अभ्यारण्य में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं है।

हिसार। ढंढूर गो-अभ्यारण्य का निरीक्षण करते निगमायुक्त प्रदीप दहिया व अन्य। फोटो: हरिभूमि

डंपिंग प्वाइंट रोड के साथ बनेगी ग्रीन बेल्ट

निगमायुक्त ने बताया कि ढंढूर के पास डंपिंग पॉइंट के रोड के साथ-साथ एक ग्रीन बेल्ट बनाई जाएगी। जिसका कार्य शुरू हो गया है और वह जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त निगम आयुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा, एक्सइएन संदीप धुंघवाल, एक्सइएन संदीप सिहाग, एमई संदीप बेनीवाल, हरि सिंह बेनीवाल, पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. सुभाष जांगड़ा, डॉ. राजकुमार रोहिल्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

एक और कचरा प्रोसेसिंग प्लांट जल्द लगेगा

इसके बाद निगमायुक्त प्रदीप दहिया अधिकारियों के साथ डंडूर स्थित कचरा प्रोसेसिंग प्लांट पर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रोसेसिंग का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। जिसमें वार्ड एक से 10 वार्ड का के कचरे का प्रोसेसिंग हो रहा है। इसके अलावा इस प्लांट के साथ ही एक और कचरा प्रोसेसिंग प्लांट जल्द ही लगाया जाएगा। इसकी नगर निगम ने पूरी तैयारी कर ली है। जिसमें वार्ड 11 से 20 वार्ड के कचरे का प्रोसेस होगा। उन्होंने कहा कि इस जगह पर जल्दी ही चार दीवारी निकाल कर कचरा प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जाएगा। इस प्रकार पूरे शहर का शहर के कचरे का प्रोसेसिंग होगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में लापता युवक का राजमार्ग पर मिला शव

- शव पर चोट और घसीटने के निशान
- परिजन बोले-हत्या हुई, पुलिस को एक्सीडेंट का अंदेशा

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

घर से लापता एक युवक का शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बरवाला फ्लाईओवर पर संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां मृतक की पहचान इंदिरा कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय प्रवीण के रूप में हुई है। फ्लाईओवर पर मिले शव पर काफी चोट व घसीटने के निशान हैं वहीं मृतक युवक के परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई है। वहीं पुलिस के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हुई है।

मृतक प्रवीन के मामा भारत सिंह ने बताया कि प्रवीण 10 जनवरी को सुबह 7 बजे के करीब अपने घर से पैदल निकला था। पिछले तीन दिनों से उसका कहीं सुराग नहीं लग रहा था। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह राहगीरों ने बरवाला फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ देखा तो पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

उन्होंने बताया कि बरवाला फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पर वे नागरिक अस्पताल पहुंचे और मृतक की पहचान की तो वह प्रवीण का शव था। उन्होंने बताया कि प्रवीण के शव पर काफी चोटें व रगड़ने के निशान हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया प्रवीण की हत्या कर इसे हादसे का रुप देने के लिए सड़क पर फेंकने का मामला लग रहा है।

वहीं मृतक प्रवीण की जेब से रोडवेज बस की जमावड़ी से हांसी की डिजीटल टिकट बरामद हुई है, लेकिन वह जमावड़ी कब और क्यों गया था इस बारे में परिजनों को जानकारी नहीं है। वहीं शुक्रवार दोपहर हांसी आने के बाद भी प्रवीण घर क्यों नहीं गया।

तापमान में मामूली वृद्धि, ठंड का सितम जारी, जनजीवन प्रभावित

कम नहीं हो रही हाड़ कंपकंपा देने वाली ठंड, घने कोहरे ने रोकी रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जिले में पिछले एक पखवाड़े से पड़ी रही हाड कंपकंपा देनी वाली ठंड कम होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार की सुबह भी घने कोहरे और भीषण ठंड लेकर आई। हालांकि कल के मुकाबले में शनिवार को न्यूनतम पारे में थोड़ी बढ़ोतरी तो जरूर दर्ज की गई लेकिन ठंड कम होने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। हिसार का तापमान कल की तुलना में 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी सहित 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं निकटवर्ती गांव तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई। बालसमंद का तापमान 3.9 डिग्री दर्ज किया गया। शुक्रवार को 0.4 डिग्री सेल्सियस के साथ बालसमंद प्रदेश में सबसे ठंडा क्षेत्र था। आज सुबह के समय जहां घने कोहरे से दृश्यता काफी कम थी, वहीं ठंड ने भी जनजीवन को प्रभावित किया हुआ था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले दो-तीन और सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

हिसार। हवाई अड्डे चौक पर घने कोहरे से गुजरते वाहन। फोटो: हरिभूमि

दोपहर तक बाजारों में नहीं थी खास रौनक: भीषण ठंड के चलते आज दोपहर तक शहर के बाजारों में लोहड़ी पर्व की कोई खास रौनक नहीं थी। ठंड के चलते दोपहर तक शहर की व्यस्तम बाजारों में भी ज्यादा भीड़ नहीं थी, वहीं सडकों पर भी वाहनों का आवागमन कम ही था। सर्दी के चलते लोग घरों व कार्यालयों में ही दुबके रहे। वहीं कई जगह पर लोग आग के सहारे सर्दी दूर करते देखे गए।

कोहरा गेहूं के लिए लाभदायक

पिछले दो-तीन दिनों से पड़ रहे घना कोहरा सरसों की फसल के लिए लाभदायक माना जा रहा है। किसानों का कहना है कि कोहरे से पड़ने वाली औस गेहूं में सिंचाई का काम करती है। इससे फसल के बढ़वार में भी काफी प्रभाव पड़ता है। वहीं ज्यादा ठंड व पाला पड़ने से सरसों की फसल को नुकसान होने का अंदेशा रहता है। किसानों का कहना है कि कोहरा तो गेहूं की फसल के लिए अच्छा है, लेकिन पाला गेहूं व सरसों की फसलों पर विपरीत प्रभाव डालेगा। ऐसे में किसानों को पाला पड़ने की चिंता सता रही है।

एक पखवाड़े से सर्दी का सितम जारी

जिले में पिछले एक पखवाड़े से सर्दी का सितम जारी है। दिसंबर माह की 27 तारीख से शुरू हुई सर्दी ने नववर्ष के 13वें दिन यानि आज लोहड़ी पर्व तक लगातार जारी रही। दिसंबर माह के अंतिम तीन-चार दिनों से पहले तो जिले में अधिकतम न्यूनतम पारे में धीमी गति से गिरावट दर्ज की जा रही थी। अलसुबह ही सूर्यदेव द्वारा दर्शन दिए जाने से शाम तक सर्दी का अहसास नहीं हो रहा था, लेकिन पिछले एक पखवाड़े से सूर्य देव ने बिल्कुल ही दर्शन देने बंद कर दिए थे। दो-तीन दिनों से दोपहर बाद धूप खिल रही धूप सर्दी से थोड़ी राहत देने का काम करती है लेकिन शाम होते ही सर्दी फिर अपना रूप दिखाना शुरू कर देती।

सरकार ने मुआवजे के लिए कोरे आश्वासन ही दिए : नंबरदार

- संयुक्त किसान मोर्चा का लघु सचिवालय के सामने बेमियादी धरना जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

किसानों का 2020 से 23 तक का बकाया मुआवजा, नरमा कपास की एमएसपी पर खरीद शुरू हो, आवारा पशुओं पर रोक लगे, पशु मेले खुलवाने के लिए, नहरों में दो हफ्ते पूरा पानी मिले आदि मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले लघु सचिवालय के सामने चल रहा अनिश्चितकालीन कालीन धरना शनिवार 11वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता श्रवण आसरावां व जसवीर डाया ने संयुक्त रूप से की तथा संचालन राजीव मलिक व राजवीर न्यौली ने किया।

जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार ने कहा कि वर्तमान सरकार व प्रशासन ने किसानों को झूठा आश्वासन देकर गुमराह किया कि 31 दिसंबर को किसानों का 2020 से 23 तक का बकाया मुआवजा दिया जाएगा परंतु आज 11 दिन से इस कड़ाके की ठंड में खुले आकाश के नीचे दिन-रात किसान धरने पर बैठे हैं, सरकार का आश्वासन कोरा साबित हुआ। धरने को विजय सिंह जागलान, दिनेश सिवाच, कमला देवी, कृष्ण पाली, दलबीर किरमारा, सुरेंद्र मान, सूबेसिंह बूरा, रमेश मिरकां, मुकेश घनघस, ईश्वर सिंह ग्रेवाल, बलराज सहरावत, सतबीर रोहिल, मांगेराम भाकर पूर्व सरपंच, विजय पीटीआई, संतलाल, राममेहर लाडवा, जयपाल सिंधु, श्रीराम लाडवा, संजय पूनिया, रामकुमार दुहन जस्सू डाया, जयवीर कुंडू, दिलबाग खेदड़, कृष्णा भाकर, रघुवीर सिंह लाडवा, राम मेहर पूर्व सरपंच लाडवा, राजेश शास्त्री आदि ने संबोधित किया।

हिसार। किसानों के बेमियादी धरने पर बैठे किसान। फोटो: हरिभूमि

अनाथ आश्रम में रह रहे बुजुर्ग ने दम तोड़ा सर्दी से मौत का अंदेशा

हांसी। बरवाला बाइपास स्थित शिव शक्ति अनाथ आश्रम में रह रहे राजली निवासी करीब 75 वर्षीय बुजुर्ग हीरालाल की शुक्रवार सुबह मृत्यु हो गई। आश्रम संचालक के अनुसार हीरालाल की बृहस्पतिवार देर रात उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर परिजन के बयान पर इत्तेफाकिया मौत मामले की कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मौत के सही कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हो सकेगी।

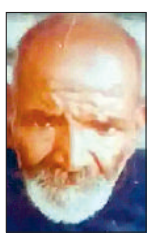

50 लाख की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस के हाथ खाली

हिसार। रेड स्क्वेयर मार्केट स्थित एक मॉल के सामने हवाई फायर कर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने मामले में पुलिस को अभी कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस की अलग-अलग टीमें बदमाशों के पता लगाने में जुटी है। उधर, पुलिस ने मॉल के सामने पुलिस बल की भी तैनाती कर दी है। बता दें कि शुक्रवार की देर शाम मॉल के सामने हवाई फायर कर एक युवक 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का लेटर फैंककर फरार हो गया था। घटना मॉल के आसपास लगी सीसीटीवी में कैद हो गई थी।

चालक से मारपीट कर नकदी मोबाइल व डीजल लूटा

हिसार। बरवाला चुंगी के पास चार युवकों ने कैंटर चालक से मारपीट कर 7 हजार रुपये की नकदी, फोन व 60 लीटर डीजल लूट लिया। वारदात शुक्रवार को तड़के 3 बजे हुई। इस मामले में पुलिस ने सफीदों के अजीत की शिकायत पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

सेंट्रल जेल-वन में मोबाइल बरामद, चार नामजद

हिसार। सेंट्रल जेल-वन में सुरक्षा कर्मियों ने चक्की के कूड़े के ढेर और सीवर लाइन से तलाशी अभियान के दौरान 2 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने हवालाती हवालाती करसौला निवासी अरूण, समैन निवासी मनोज, सीसवाला निवासी अनूप दावा और दीपक उर्फ दीप्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। बता दें कि इससे पहले भी जेल से कई बार मोबाइल बरामद हो चुके हैं।

हिसार। अंडरपास के रास्ते पर ऊपर से आकर गिरी गाड़ी।

अंडरपास सीमेंट ब्लॉक के ऊपर से गाड़ी गिरी, चालक गंभीर

हिसार। सूर्यनगर फाटक पर निर्माणाधीन अंडरपास और ओवरब्रिज के दौरान शनिवार देर शाम को हादसा हो गया। एक गाड़ी चालक अंडरपास के सीमेंट ब्लॉक के ऊपर से गाड़ी समेत अंडरपास के रास्ते पर गिर गया। इस दौरान अंडरपास से कई वाहनों भी आवागमन कर रहे थे। अगर गाड़ी नीचे से गुजर रहे अन्यों वाहनों पर गिर जाती तो हादसा और बड़ा भी हो सकता है। इस दौरान राहगीरों ने गाड़ी चालक को गाड़ी से तुरंत बाहर निकाला और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचे क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

हिसार। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो: हरिभूमि

नाजायज शराब निकालने वालों पर बड़ी कार्रवाई

हिसार। पुलिस थाना हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो हिसार के प्रबंधक एसआई दीपक सिंगला के नेतृत्व में स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने गांव पीरावली में दबिश देते हुए पाया कि गांव पीरावली में आरोपित रंजीत सिंह उर्फ बग्गू ने अपने घर में नाजायज भट्टी चलाकर नाजायज देसी शराब निकालने का काम कर रहा था। वहां से पुलिस ने 600 लीटर कच्चा लाहन बरामद किया। इसके अलावा टीम ने दूसरे आरोपित से स्वर्ण सिंह उर्फ सेठू वासी गांव पीरावाली में दबिश दी और उसने अपने मकान में कुल 550 लीटर कच्चा लाहन तैयार किया हुआ था। दोनों आरोपितों से पुलिस ने कुल 1150 लीटर कच्चा लाहन व तैयार शुदा नाजायज शराब व विभाग ने वहां से मटका, पाइपें, 7 ड्रम, एक प्लास्टिक की केनी और बाल्टी बरामद की। दोनों आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

हिसार। घर से पकड़ी अवैध भट्ठी।

श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गोशाला में लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व पर समारोह

सबसे बड़ा तीर्थ है गोमाता की सेवा : निकाय मंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि गोमाता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। जहां गाय का दूध और घी अमृत तुल्य माने गए है, वहीं गोमूत्र का आयुर्वेदिक उपयोग है। निकाय मंत्री डॉ. गुप्ता ने शनिवार को श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गोशाला में आयोजित लोहड़ी व मकर संक्रांति के महापर्व समारोह को संबोधित करते रहे थे। इस मौके पर मंत्री ने मंत्रोच्चार के साथ गोपूजन किया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि गाय का गोबर भी बहुत ही पवित्र माना गया है। मै बहुत ही सौभाग्यशाली हूँ कि इस पवित्र पर्व पर मुझे गोमाता की पूजा-आराधना करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ष गोशालाओं की देख-भाल के लिए अनुदान राशि मे वृद्धि कर रही है। नई गोशाला खोलने व गो पालन के लिए सरकार विशेष प्रोत्साहन दे रही है। गोभक्त राजेन्द्र गावड़िया सहित संस्था के पदाधिकारियों ने निकाय मंत्री का भव्य स्वागत करते हुए उन्हें शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

हिसार। सम्मानित करते शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व गाय को तिलक लगाते शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर प्रदीप, अश्वनी लाहौरिया, दहिया, राजेन्द्र गावड, सत प्रकाश राजली वाले, प्रवीण झंडू, विनोद गर्ग, बनारसी दास, सुरेश गोयल धूप वाला, राम चन्द्र गुप्ता, प्रवीण जैन, विकास जैन, युवा नेता गगन शर्मा, सीता राम, नरेश मंगाली, अनिल राजलीवाला, हरि सिंह बेनीवाल आदि उपस्थित रहे।

तीन गोशालाओं को दिया लाखों को अनुदान: निकाय मंत्री ने प्रदेश सरकार की ओर से नगर की तीन गोशालाओं श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गौशाला, आदर्श सनातन गोशाला व देवीभवन गोशाला को सत्ताइस लाख पैंतीस हजार अढ़ाई सौ रुपये के चेक अनुदान राशि के वितरित किए। इस मौके पर निकाय मंत्री ने अपने स्वच्छिक कोटे से 5 लाख रुपये की अनुदान राशि श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गोशाला व दो -दो लाख रुपये की अनुदान राशि आदर्श सनातन गोशाला व देवीभवन गोशाला को देने की घोषणा की।

निगमायुक्त को सड़क निर्माण के आदेश: गोशाला के पदाधिकारियों ने एक मांग पत्र सौंप कर मांग रखी कि गोशाला से शुरू होकर 800 मीटर की सड़क बहुत ही जर्जर अवस्था में है और जगह जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है इसका पुर्ननिर्माण करवाया जाए। इसके लिए वहां मौजूद नगर निगम कमिशनर को सड़क निर्माण के आदेश दिए व साथ ही पांच लाख रुपये कि धन राशि सड़क निर्माण के लिए देने की घोषणा की।

वर्किंग महिलाओं के लिए बेस्ट इन्वेस्टमेंट स्कीम

सुझाव | बिजनेस डेस्क

देश में लगातार कामकाजी महिलाओं का संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाओं को भी अपना पैसा बढ़ाने के लिए निवेश पर फोकस करना चाहिए, ताकि उन्हें अच्छा ब्याज मिल सके और वे भी पुरुषों की भांति अमीर हो सकें। अक्सर देखने में आता है कि ज्यादातर महिलाएं अपना पैसा घर पर ही बचाकर रखती हैं, जिसका कोई ब्याज नहीं मिलता है। अगर इन पैसों को किसी सही जगह इन्वेस्ट किया जाए तो न सिर्फ पैसा सुरक्षित रहेगा, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी। आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और वित्तीय सुरक्षा के लिए सिर्फ कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि इन्वेस्टमेंट करना भी जरूरी है। अगर आप भी कामकाजी महिला हैं तो निवेश के बेस्ट विकल्पों से जुड़ी जरूरी बातें आपको पता होनी ही चाहिए।

गोल्ड में निवेश

कहते हैं कि महिलाओं को अपनी रसोई और सोना सबसे प्यारा होता है। पुराने समय से ही महिलाएं गोल्ड में निवेश करती आ रही हैं। सोने में निवेश के आप फिजिकल, डिजिटल गोल्ड, गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे कई विकल्प के जरिये इन्वेस्ट करके मुनाफा कमा सकते हैं। वर्तमान में डिजिटल गोल्ड जैसे विकल्पों ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट को और अधिक सेफ और आसान बना दिया है। गोल्ड में इन्वेस्ट कर आप अच्छा मुनाफी कमा सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

वैसे तो शेयर बाजार में निवेश करके अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है, लेकिन इसमें हाई रिस्क रहती है। यदि आप थोड़े कम जोखिम के साथ निवेश प्लान लेना चाहते हैं तो आपके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी बेहतर विकल्प साबित होगा। अगर आप लंबे समय के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि एसआईपी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है। इसमें हर महीने निवेश कर महिलाएं अच्छा मुनाफा कमा सकती हैं। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और किफायती जरिया भी माना जाता है। आजकल देश में इसकी डिमांड भी बढ़ रही है।

डेट फंड

डेट फंड असल में म्यूचअल फंड ही होता है, जो बिना जोखिम उठाए एफडी से ज्यादा रिटर्न देते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट का समय पूरा होते ही डेट फंड आपको फिक्स्ड रेट पर अच्छा खासा रिटर्न देते हैं। मौजूदा वक्त में डेट फंड में 6% से 8% का ब्याज मिल रहा है। इसमें महिलाएं मिनिमम 500 रुपये से एसआईपी शुरू कर सकती हैं।

नेशनल पेंशन स्कीम

भारत सरकार की रिटायरमेंट स्कीम में निवेश करके वर्किंग वूमन बुढ़ापे के लिए पेंशन फंड इकट्ठा कर सकती हैं। सरकार ने पेंशन की कई योजनाएं चलाई है, जिसमें राष्ट्रीय पेंशन योजना भी शामिल है, जिसमें निवेश करके पैसा सुरक्षित रख सकते हैं। एनपीएस के जरिये कॉर्पोरेट बॉन्ड, इक्विटी, लिक्विड फंड शामिल हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस

यह अक्सर कहा जाता है कि सबसे अच्छा निवेश जो हम कर सकते हैं वह हमारे स्वास्थ्य में है। यह आपके परिवार के साथ-साथ आपके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। फाइनेंशियल प्रोटेक्शन हेल्थ इंश्योरेंस किसी भी गंभीर बीमारी में लगने वाले हाई कॉस्ट को कवर करके वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। हेल्थ इंश्योरेंस की मदद से हम अचालक से आने वाले वित्तीय संकट से बच सकते हैं।

जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं। लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

समय पर चुकाएं लोन, वरना घेर लेगा कर्ज का 'मकड़जाल'

जरूरत पड़ने पर कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं है लेकिन ऐसा करते समय कुछ बातें पल्ले बांध लें ताकि आपको आगे चलकर पछताना न पड़े

अचानक कोई जरूरत पड़ जाए या घर, कार जैसी महंगी चीजें खरीदनी हों, तो लोन सभी लेते हैं। नई तकनीक के इस्तेमाल ने तो कर्ज लेना पहले से काफी आसान बना दिया है। लिहाजा, लोग भी आसान क्रेडिट की इस सुविधा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं, लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा और एक समय ऐसा आएगा कि आप उससे उभर नहीं पाएंगे। कर्ज लेते समय या उसे चुकाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आगे चलकर आपको कोई परेशानी न हो। हम यहां आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बताएंगे, जिन पर अमल करके आप अपने लोन लेने और चुकाने के अनुभव को किसी मुसीबत में तब्दील होने से बचा सकते हैं।

कर्ज उतना ही लें, जितना चुका सकें

आपको कर्ज हमेशा उतना ही लेना चाहिए, जितना आप आसानी से चुका सकते हों। लोन भले ही कितनी भी आसानी से मिल रहा हो, लेकिन आखिर वो है तो कर्ज ही, जिसे आपको देर-सबेर चुकाना ही होता है। इसलिए अपनी रीपेमेंट की क्षमता से ज्यादा कर्ज लेने से बचना चाहिए। अगर आपकी आमदनी का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें (ईएमआई) चुकाने में चला जाएगा, तो आपकी सारी फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ने का खतरा है। आमतौर पर माना जाता है कि आपकी होमलोन की ईएमआई आपकी मंथली इनकम के 35-40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वहीं, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई का हिस्सा आपकी मासिक आय के 10 फीसदी से भी कम रहे तो ही बेहतर है।

कर्ज की अवधि कम से कम रखें

कर्ज लेने का फैसला करते समय अक्सर लोग ये देखते हैं कि उसकी ईएमआई कितनी बनेगी और ऐसा करना बिलकुल सही भी है, लेकिन गलती तब हो जाती है, जब क्षमता से ज्यादा लोन लेने के चक्कर में लोग कर्ज की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ज की रकम और ब्याज दर अगर बराबर है तो ईएमआई कम रखने के लिए लोन की अवधि बढ़ाना हमेशा समझदारी भरा फैसला नहीं होता। ऐसा करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि कर्ज चुकाने में आप जितना ज्यादा वक्त लगाएंगे, ब्याज का बोझ उतना ही बढ़ता जाएगा। होम लोन जैसे कर्ज के मामले में अगर आप शुरुआत में अपनी कम इनकम के कारण ज्यादा अवधि का चुनाव कर भी लेते हैं, तो भी आगे चलकर ईएमआई बढ़ाने की कोशिश करें, ताकि लोन को कम से कम समय में चुकाया जा सके। अगर आपके कई लोन चल रहे हैं, तो सबसे पहले उस लोन को निपटाने की कोशिश करें, जिसकी ब्याज दर सबसे ज्यादा है।

बेहतर ब्याज दर की तलाश जारी रखें

होम लोन जैसे लंबी अवधि के कर्ज लेकर भूल न जाएं। अगर आपको होम लोन पर काफी ऊंची ब्याज दर चुकानी पड़ रही है, तो उसे कम करवाने की कोशिश करें। खासतौर पर अगर आपके लोन लेने के बाद बाजार में ब्याज दरों में नरमी आई है, तो आपको उसका लाभ उठाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आपको अपने मौजूदा बैंक या एनबीएफसी से बात करके देखना चाहिए। अगर इससे बात न बने, तो दूसरे बैंकों से संपर्क करके लोन का बैलेंस ट्रांसफर करने पर विचार करना चाहिए। लंबी अवधि के लोन की ब्याज दर में आई थोड़ी भी कमी ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकती है। कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है, क्योंकि ऐसा करने पर आपको जुर्माने के तौर पर एक्स्ट्रा पेमेंट करना पड़ सकता है या ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इससे आपका क्रेडिट प्रोफाइल और सिबिल स्कोर भी बिगड़ जाता है, जिसके कारण आपको आगे चलकर और भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

शौक, फिजूलखर्ची के लिए कर्ज लेने से बचें

एक बात हमेशा याद रखें। कर्ज लेना तभी वाजिब है, जब आप किसी जरूरी काम के लिए ऐसा कर रहे हों। सिर्फ किसी महंगे शौक या फिजूलखर्ची के लिए या फिर कर्ज लेने में जरा भी समझदारी नहीं है। इसी तरह शेयर मार्केट जैसे उतार-चढ़ाव वाले निवेश के लिए कर्ज लेना भी सही नहीं है। इसके लिए तो आपको अपने एक्स्ट्रा फंड का ही इस्तेमाल करना चाहिए। लोन लेना तभी वाजिब है, जब उसका इस्तेमाल आप किसी जरूरत के लिए कर रहे हों। मिसाल के तौर पर महानगर में रहने वाले लोगों के लिए कार जरूरत की चीज हो सकती है, लेकिन अगर आपका काम किसी सामान्य कार से चल सकता है, तो क्षमता से बाहर होने पर भी सिर्फ दिखावे के लिए ज्यादा कर्ज लेकर महंगी लग्जरी कार खरीदना समझदारी भरा फैसला नहीं हो सकता।

जिसने लगाया पैसा उसकी हो गई बल्ले-बल्ले, इंडेक्स म्यूचुअल फंड में कर सकते हैं निवेश

पिछले साल 10 इंडेक्स फंड ने दिया मुनाफा

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"भारत में भी म्यूचुअल फंड अब लोकप्रिय हो रहे ■ म्यूचुअल फंड की कई कैटेगरी, दे रही मुनाफा ■ अच्छा रिटर्न भी निवेशकों को खूब लुभा रहा ■ कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 से 60% तक रहा ■ इंडेक्स को पेसिव फंड के नाम से भी जाना जाता है"

साल 2023 में इंडेक्स फंड में पैसा लगाने वालों की मौज हो गई है। इस साल 10 इंडेक्स फंड ने तो छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक रहा है। यह रिटर्न एफडी और पीएफ जैसे परंपरागत निवेश विकल्पों से कई गुना ज्यादा है। इंडेक्स फंड में जोखिम कम माना जाता है, इन्हें पेसिव फंड भी कहा जाता है। इनमें भी निवेशक अन्य म्यूचुअल फंड की तरह एसआईपी के जरिए पैसा ला सकते हैं। इंडेक्स फंड किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जैसे निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड, निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड या निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड। किसी भी इंडेक्स फंड में लगाए गए पैसे, उस खास इंडेक्स में शामिल कंपनियों में ही डाले जाते हैं। इंडेक्स फंड का टोटल एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम रहता है।

मिला शानदार रिटर्न

साल 2023 में बाजार में शानदार तेजी की वजह से इस बार म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी अच्छा रिटर्न मिला है। इस रिपोर्ट में हम आपको उन इंडेक्स म्यूचुअल फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 1 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की डेटा से ऐसे 10 फंड्स को चुना है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट कम से कम सौ करोड़ रुपये से ज्यादा है।

इन फंड्स ने की धनवर्षा

पहला

आदित्य बिरला सन लाइफ निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड है। इस फंड के रेगुलर प्लान का सालाना रिटर्न 60.60 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 61.56 फीसदी रहा है।

दूसरा

एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड का दूसरा नंबर है। इस फंड के रेगुलर प्लान ने 60.25 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान ने 61.45 फीसदी रिटर्न पिछले एक साल में दिया है।

तीसरा

मोतीलाल ओसवाल एसएंडपी बीएसई इनहांस्ड वैल्यू इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान में निवेश करने वाले निवेशकों को 60.13 फीसदी और डायरेक्ट प्लान में पैसा लगाने को एक साल में 61.21 फीसदी रिटर्न मिला है।

चौथा

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल नैस्डेक 100 इंडेक्स फंड का एक साल का रिटर्न 56.47% (रेगुलर), 57.25% (डायरेक्ट) रहा है।

पांचवां

एडलवाइज निफ्टी मिडकैप 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का 1 साल का रिटर्न 50.99 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 52.08% रहा है।

छठा

टाटा निफ्टी मिडकैप फंड 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड का सालभर का रिटर्न 49.29 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का 50.48 फीसदी रहा है।

सातवां

एक्सिस निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान ने साल में 47.95% व डायरेक्ट प्लान ने 49.06% रिटर्न दिया है।

आठवां

मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.15 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का 48.17 फीसदी रहा

नौवां

एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.17 फीसदी तो डायरेक्ट का 48.06 फीसदी रहा है।

दसवां

निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड ने भी निवेशकों को एक साल में बंपर मुनाफा दिया है। इसके रेगुलर प्लान का साल का रिटर्न 46.94% और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 47.92 फीसदी रहा है।

शेयर बाजार में फिर गिरावट का दौर, ऐसे में क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

नए साल में शेयर बाजार में निवेशक गिरावट ही देख रहे हैं। बाजार कल गिरावट के साथ बंद हुआ था। मुख्य रूप से बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा था। कल तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 379.46 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,892.48 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 658.2 अंक तक लुढ़क गया था। ऐसे में अधिकतर नए और रूढ़िवादी निवेशक 100% स्टॉक मार्केट एक्सपोजर से जुड़े जोखिमों, जैसे अनस्टेबिलिटी और डायवर्सिफिकेशन की कमी के बारे में चिंता करते हैं। इसलिए, ऐसे निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प हाइब्रिड इनवेस्टमेंट सोल्यूशन तलाशना होता है।

क्या होता है हाइब्रिड म्यूचुअल फंड

आक्रामक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में इक्विटी और डेट का मिश्रण होता है। इसी वजह से यह निवेशकों की पूंजी में बढ़ोतरी तो करता ही है, उसे सुरक्षा का संतुलन भी प्रदान करता है। गोल्स फाइनेंशियल के पार्टनर दीपक महाडिक का कहना है कि हाइब्रिड म्यूचुअल फंड निवेशकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदान करते हैं। निवेश की दुनिया में यह जीत का समीकरण हाइब्रिड निवेश के रूप में सामने आता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों का अनोखा प्रस्ताव यह है कि वे निवेश को दो परिसंपत्ति वर्गों - इक्विटी और डेट में फैलाते हैं। ये फंड 65-80% तक इक्विटी में निवेश करते हैं, जिससे उच्च विकास के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। इसके विपरीत, इक्विटी सेगमेंट में अत्यधिक अस्थिरता या कम प्रदर्शन की अवधि के दौरान डेट घटक एक कुशन के रूप में कार्य करता है।

रिस्क फैक्टर कितना

आक्रामक हाइब्रिड फंड मध्यम जोखिम क्षमता वाले निवेशकों की जरूरतों को पूरा करते हैं और विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हैं। महाडिक के मुताबिक, इक्विटी और ऋण दोनों घटकों को शामिल करने से जोखिम और अस्थिरता को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है, जो कि इक्विटी फंडों में अनुपस्थित है। यह विविध दृष्टिकोण उच्च रिटर्न की संभावना को बनाए रखते हुए एक स्थिर निवेश वातावरण प्रदान करके निवेशकों के विश्वास को बढ़ाता है, जिससे आक्रामक हाइब्रिड फंड अपने निवेश पोर्टफोलियो में मापा जोखिम जोखिम चाहने वालों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

इस समय क्यों हो रही है इसकी चर्चा

आक्रामक हाइब्रिड फंड आज विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। ऐसे समय में जब शेयर बाजार का मूल्यांकन विशेष रूप से सस्ता नहीं होता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों में पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन में पूर्व निर्धारित सीमा के भीतर परिसंपत्ति आवंटन को पुनः व्यवस्थित करना शामिल है। आंकड़े बताते हैं कि एक दिसंबर, 2023 तक, आक्रामक हाइब्रिड फंड श्रेणी ने 13.7% (1 वर्ष में), 16.2% (3 वर्ष), 13.1% (5 वर्ष), और 13.8% (10 वर्ष में) का औसत रिटर्न दिया है। इस श्रेणी में हर समय-सीमा में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड रहा है।

निवेशकों को लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करना होगा, लक्ष्य लेकर चलेंगे तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन

सिक्योर रिटायरमेंट का लें मंत्र, 3 जगहों पर बड़े काम का निवेश

बिजनेस डेस्क

- 15 साल में इतना रिटर्न मिल जाएगा, बुढ़ापा आराम से कटेगा
- वीपीएफ, ईएलएसएस और पीपीएफ दे सकते हैं अच्छा मुनाफा
- ये आप्शन धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाने में भी आते हैं काम

नया साल उत्साह और उमंग के साथ कई अच्छी खबरें लेकर आता है। यह समय फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए भी बढ़िया होता है। अभी अगर आप अपने 30-40 की उम्र में हैं तो आपको रिटायरमेंट प्लानिंग कर लेनी चाहिए। बहुत से सैलरीड प्रोफेशनल्स अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में रिटायरमेंट प्लानिंग को टारगेट पर रखकर नहीं चलते, लेकिन इस साल आप ये एक चीज तो फिक्स कर सकते हैं। अगर आप लंबी अवधि के निवेश और अपने रिटायरमेंट फंड की स्ट्रेटेजी लेकर चलें तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन हैं। इन ऑप्शन में आपको बेहतर रिटर्न देखने को मिल सकते हैं। वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ), क्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस) या पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) में निवेश अच्छा मुनाफा दिला सकता है।

वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड

रिटायरमेंट के लिए वीपीएफ में निवेश एक बेहतर विकल्प हो सकता है। ईपीएफ में बेसिक सैलरी का सिर्फ 12 फीसदी ही कॉन्ट्रीब्यूट किया जा सकता है, लेकिन, वीपीएफ में निवेश करने की कोई सीमा नहीं होती। मतलब अगर कर्मचारी अपनी इन-हैंड सैलरी को कम रखकर भविष्य निधि में योगदान बढ़ाता है तो इस विकल्प को वीपीएफ कहते हैं। वीपीएफ में भी ईपीएफ के समान 8.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। ये स्कीम ईपीएफ का ही एक्सटेंशन है। इसे सिर्फ नौकरीपेशा ओपन कर सकते हैं। बेसिक सैलरी और डीए का 100 फीसदी इसमें निवेश किया जा सकता है।

वीपीएफ के लिए क्या करें?

आपको अपनी कंपनी के एचआर या फाइनेंस टीम से संपर्क करना होगा। वीपीएफ में कॉन्ट्रीब्यूशन की रिक्वेस्ट करनी होगी। प्रॉसेस होते ही आपके ईपीएएफ अकाउंट से वीपीएफ को जोड़ दिया जाएगा। वीपीएफ का अलग से कोई अकाउंट ओपन नहीं होता। वीपीएफ के योगदान को हर साल संशोधित किया जा सकता है। हालांकि, वीपीएफ में निवेश को लेकर एम्प्लॉयर बाध्य नहीं है। कर्मचारी सिर्फ अपना योगदान ही बढ़ा सकता है। अगर आप जॉब चेंज करते हैं तो इस अकाउंट को आसानी से ट्रांसफर कर सकते हैं। इस पर लोन भी मिलता है। बच्चों के एजुकेशन, होम लोन, बच्चों की शादी के लिए भी इससे लोन लिया जा सकता है। वीपीएफ खाते से रकम की आंशिक निकासी के लिए खाताधारक का 5 साल नौकरी करना जरूरी है। अगर 5 साल से कम है तो टैक्स कटता है। वीपीएफ की पूरी रकम केवल रिटायरमेंट पर ही निकाली जा सकती है। वीपीएफ पर आयकर कानून के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स डिडक्शन का फायदा मिलता है। निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी (ईईई) पर मिलने वाला पैसा पूरी तरह टैक्स फ्री है। ये स्कीम रिटायरमेंट के लिए काफी बढ़िया है।

इक्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस)

देश में 42 म्यूचुअल फंड कंपनियां टैक्स सेविंग स्कीम चलाती हैं। हर कंपनी के पास इनकम टैक्स बचाने के लिए इक्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस) है। इसे ऑनलाइन या किसी एजेंट से खरीदा जा सकता है। इनकम टैक्स बचाने के लिए वन टाइम इन्वेस्टमेंट लिमिट न्यूनतम 5 हजार रुपये है और हर महीने निवेश करना है तो न्यूनतम 500 रुपये महीने का निवेश शुरू कर सकते हैं। इसमें 1.5 लाख रुपये की अधिकतम टैक्स छूट ली जा सकती है, लेकिन अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है।

ब्याज नहीं, मार्केट लिंक्ड रिटर्न

स्कीम में 3 साल के लिए लॉक-इन रहता है। बाद में निवेशक चाहे तो पैसा निकाल सकता है। 3 साल के बाद चाहें तो पूरा निकाला जा सकता है। आंशिक निकासी का भी ऑप्शन होता है। बाकी पैसा आप जब तक चाहें स्कीम में पड़ा रहने दे सकते हैं। ईएलएसएस की खास बात है कि इसमें निवेश पर ब्याज की जगह मार्केट लिंक्ड रिटर्न मिलता है।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) इस स्कीम को बैंक या पोस्ट ऑफिस में कहीं भी खोला जा सकता है। किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में ट्रांसफर भी किया जा सकता है। इसे खोलने के लिए सिर्फ 500 रुपये काफी हैं। हर साल 500 रुपये एक बार में जमा करना जरूरी है। अकाउंट में हर साल अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। यह स्कीम 15 साल के लिए है, जिससे बीच में पैसा नहीं निकला जा सकता है, लेकिन, इसे 15 साल के बाद 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

धार्मिक स्थलों पर चलेगा सफाई अभियान

हिसार। संयुक्त आयुक्त डॉ प्रीतपाल ने बताया कि रविवार से एक सप्ताह के लिए नगर निगम धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाएगा जिसमें शहर के मंदिर, गुरुद्वारा घर व मस्जिद आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि निगम आयुक्त प्रदीप दहिया के नेतृत्व में नगर निगम समय-समय पर सफाई अभियान चलता आ रहा है। इस बार नगर निगम ने धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अगले एक सप्ताह में कई प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम है इसलिए यह है निर्णय लिया गया है। नगर निगम ने शहर के धार्मिक स्थलों की सूची तैयार कर ली है।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर रक्तदान शिविर लगाया

बरवाला। समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद गायत्री शाखा के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर जनता ब्लड बैंक बरवाला में किया गया। इस अवसर पर भाविप गायत्री शाखा के संरक्षक साधु राम जाखड़, शाखा अध्यक्ष शिवकुमार कौशिक, टेक चंद मुदगिल, सुशील कुमार गोयल, सुनीता जाखड़, जिले सिंह, डॉक्टर अनंतराम, जिले सिंह जाखड़, वीरेंद्र शर्मा, गौरीशंकर, मनोज गर्ग, सुमित कुमार व रामनिवास वर्मा आदि उपस्थित रहे।

बच्चों को जीवन कौशल के सिखाए गुर

हिसार। नई शिक्षा नीति के अनुरूप समग्र शिक्षा अभियान के तहत बच्चों के जीवन कौशल विकास के लिए हांसी उपमंडल में मुलतानी कॉलोनी स्थित राजकीय हाई स्कूल तथा दयाल सिंह कालोनी स्थित राजकीय मिडल स्कूल में कैंप आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि जिला सुकून काउंसलर राहुल शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने जीवन कौशल विकास, नशा के दुष्परिणाम, पोक्सो एक्ट, सुकून सेंटर आदि बारे स्कूल में उपस्थित बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्याध्यापिका सरिता मित्तल, मुख्याध्यापक सुभाष चंद्र, स्कूल स्टाफ से मोनिका, रजनी, मुकता, सावित्री देवी, ललिता रानी, राहुल धतरवाल सहित स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हिसारवासियों में उत्साह

हिसार। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को आयोजित होने वाली प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हिसारवासियों में उत्साह का माहौल है। छत्रपति शिवाजी स्मारक समिति द्वारा अखंड श्रीरामलला वंदन के अंतर्गत हर रोज निकाली जा रही संध्याफेरी से नगरवासियों का उत्साह व भक्तिभाव चरम पर है। उधर, बैंक कॉलोनी व यहां स्थित माता काली देवी मंदिर में संध्याफेरी निकाली गई। फेरी के दौरान भक्तगण श्रीरामलला के चित्र को नमन करते हुए आगे बढ़े और देखते ही देखते जय श्रीराम के उद्घोष से पूरी बैंक कॉलोनी गुंजायमान हो उठी।

नेशनल आयुर्वैदिक कॉलेज में मनाया लोहड़ी त्यौहार

बरवाला। ढाणी गारण मार्ग पर स्थित नैशनल आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के प्रांगण में धूमधाम से लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। इसका शुभारंभ कॉलेज के डायरेक्टर कृष्ण दूहन एवं डिप्टी डायरेक्टर डॉ. दुलीचंद के द्वारा किया गया। डायरेक्टर कृष्ण दूहन ने सभी चिकित्सकों एवं स्टाफ को लोहड़ी की शुभकामनाएं दी। सभी स्टाफ ने अग्नि के चारों और चक्कर लगाकर लोहड़ी के मंगल गीत गाए एवं नृत्य किया। इस अवसर पर डॉ. ज्योति, डॉ. शशांक, डॉ. अनीश, डॉ. सरत, डॉ. स्नेहमयी, डॉ. परवेश, डॉ. रजत, डॉ. निधि, डॉ. शालिनी, डॉ. सन्दीप व डॉ मन्नु समेत अन्य स्टाफ सदस्यगण उपस्थित रहे।

जिला पुस्तकालय में कार्यशाला का आयोजन

हिसार। जिला पुस्तकालय में शनिवार को मोबाइल एडिक्शन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में काउंसलर नरेश जागलान ने कहा कि मोबाइल के अधिक उपयोग करने से आंखों, गर्दन एवं हाथ में दर्द होने की शिकायतें शुरू हो जाती है।

राजकीय कॉलेज में जिलास्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

लोकतांत्रिक देश के लिए मतदान बहुत ही जरूरी : लोहान

■ भाषण प्रतियोगिता में एफसी कॉलेज की भारती रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राजगढ़ रोड पर स्थित राजकीय महाविद्यालय में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मतदान जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम विषय पर निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता व रंगोली बनाने संबंधी जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय के चुनाव अधिकारी प्रो. मनोज कुमार की देखरेख में हुआ। प्रतियोगिता की मुख्यातिथि प्राचार्या डॉ. दीपमाला लोहान रही। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए मतदान बहुत ही जरूरी है तथा आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत जरूर डालना चाहिए।

हिसार। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी अतिथिगण के साथ।

यह रहे परिणाम

महाविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ. स्नेह लता ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में एफसी कॉलेज की भारती प्रथम, जाट कॉलेज की शालू रानी द्वितीय व राजकीय महाविद्यालय खेड़ी चोपटा की मनजीत तृतीय स्थान पर रही, रंगोली बनाने की प्रतियोगिता में एफसी कॉलेज की अंशिका प्रथम जाट कॉलेज हिसार की दीक्षा द्वितीय व गवर्नमेंट कॉलेज खेड़ी चोपटा की अंजू तृतीय स्थान पर रही। स्पर्धा में निर्णायक मंडल की भूमिका प्रो.राजेंद्र सेवदा, डॉ. मुकेश कुमार डॉ .राजेंद्र प्रसाद, डॉ. स्नेह लता, डॉ. निर्मला बुरा,डॉ. पंकज गिल, डॉ. निर्मला, डॉ. वीना रानी, डॉ. राजपाल आदि ने निभाई इसके। अतिरिक्त महाविद्यालय के डॉ. सुखबीर दुहन, डॉ. अशोक कुमार तथा डॉ. अनिल यादव का प्रतियोगिता आयोजन करने में भरपूर सहयोग रहा। प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि सभी विजेता खिलाड़ियों को 25 जनवरी को मतदाता दिवस पर जिला निर्वाचन कार्यालय के द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

भीख नहीं किताब दो संस्था ने बच्चों का जन्मदिन उत्सव मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भीख नहीं किताब दो संस्था द्वारा सभी प्यारे बच्चों का जन्मदिन उत्सव मनाया गया। सभी बच्चो को संस्था सदस्यों की तरफ से 2-2 ट्रैक सूट, नाइट ड्रेस, जुराब, टोपे, दस्ताने व स्वेटर उपहार स्वरूप भेंट किए गए। सभी बच्चों ने हर्षोल्लास से अपना जन्मदिन मनाया। स्वामी विवेकानंद को पुष्प अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया और उनके जीवन के विषय में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। संस्था अध्यक्ष अन्नू चिनिया ने भी अपना जन्मदिन बच्चों के साथ मनाया और जीवन में अपने लक्ष्य को बताते हुए यह संकल्प लिया कि जीवन भर ऐसे बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करती रहेंगी जो अभाव के कारण शिक्षा और अपने बचपन से वंचित हैं। इस अवसर पर संस्था महासचिव सुरेश पूनिया, ईश्वर सिंह, जगदीश, बिमला देवी, गरिमा, अंकुर, दिलीप चंद, अंजू अनेजा, रवीना, पुनीत, नेहा, रोहतास, रवि और संस्था छात्रावास प्रांगण में रहने वाले बच्चे और झुगियों से आए बच्चे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हिसार। अपना जन्म दिन मनाते हुए अन्नू चिनिया व अन्य बच्चे। फोटो: हरिभूमि

चालक-परिचालक की इयूटी में बाधा डालने के मामले में दोनों पक्षों में समझौता

हिसार। नारनौंद क्षेत्र के गांव थुराना से हिसार आ रही बस के चालक व परिचालक से गाली-गलौच व इयूटी में बाधा डालने के मामले में दोनों पक्षों में समझौता हो गया है। दोनों पक्षों की सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई बातचीत में एक-दूसरे से सहयोग करने की बात कही है। सांझा मोर्चा से जुड़ी सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा रोडवेज वर्कर्ज यूनियन के डिपो प्रधान राजकुमार चौहान ने बताया कि 29 दिसम्बर को रोडवेज हिसार आ रही थी। इसमें थुराना निवासी मोहन पानू चढ़ गया और चढ़ते ही चालक संदीप व परिचालक सुनील के साथ विवाद हुआ था। चौहान ने बताया कि दोनों पक्षों में सौहार्दपूर्ण माहौल में बातचीत हो गई है। उन्होंने बताया कि मोहन के पिता ईश्वर पानू सामाजिक व्यक्ति हैं और उन्होंने रोडवेज कर्मचारियों से मिलकर समझौते में अहम भूमिका निभाई।

डिप्टी स्पीकर ने 7 गोशालाओं के लिए 35 लाख की ग्रांट जारी की

हिसार। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने नलवा विधानसभा क्षेत्र की 7 गोशालाओं के लिए 35 लाख रुपए की ग्रांट जारी की है। मकर संक्रांति के अवसर पर गोशालाओं में आयोजित कार्यक्रमों में वे संचालकों को चेक वितरित करेंगे। रविवार 14 जनवरी को श्री कृष्ण गौशाला चौधरीवास तथा श्री बालाजी गौशाला मंगाली में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर डिप्टी स्पीकर जनसमस्याएं सुनेंगे। इसके पश्चात वे पटेल नगर स्थित कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित लोहड़ी व मकर संक्रांति समारोह में शिरकत करेंगे। वे दोपहर श्री श्याम गोशाला मिंगनी खेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत कर जन समस्याएं सुनेंगे। उनके द्वारा श्री श्याम गोशाला मिगनी खेड़ा के लिए 4 लाख 65 हजार 750 रुपये, श्री बालाजी गोशाला मंगाली के लिए 9 लाख 75 हजार रुपये, श्री कृष्ण सुदामा गोसेवा धाम चौधरीवास के लिए 1 लाख 80 हजार रुपये, श्री कृष्ण प्रणामी गौशाला समिति कैमरी के लिए 6 लाख 86 हजार 250 रुपये, श्री कृष्ण गोसेवा समिति चौधरीवास के लिए 1 लाख 87 हजार 500 रुपये तथा बाबा बिनजपुरी शिव गोशाला समिति शाहपुर के लिए 8 लाख 85 हजार 750 रुपये की ग्रांट जारी की गई है।

राष्ट्र निर्माण में अग्रवाल समाज का महत्वपूर्ण योगदान

■ ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पहुंचे अग्रोहा शक्तिपीठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अग्रोहा शक्तिपीठ अग्र विभूति स्मारक में शनिवार को ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य 1008 अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पहुंचे। उन्होंने पूरे मंदिर परिसर का अवलोकन किया और वहां चल रहे निर्माणाधीन आद्य महालक्ष्मी एवम् अष्ट महालक्ष्मी का निरीक्षण किया।

वहां लगी 58 महापुरुषों की मूर्तियों को देखकर बड़े आनंदित हुए। उन्होंने कहा की अग्रोहा शक्तिपीठ में लगी महापुरषों की मूर्ति भारतीय संस्कृति की रक्षा में नीव का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा की अग्रवाल समाज का राष्ट्र निर्माण, धर्म रक्षा और सामाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान है। अशोक सिंघल की प्रतिमा देखकर उन्होंने कहा की राम मंदिर आंदोलन में उन्होंने अपना सारा जीवन न्यौछावर कर दिया। कोठारी बंधुओं के बलिदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। प्रदेश प्रवक्ता विपिन गोयल ने बताया कि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने जगद्गुरू शंकराचार्य का स्वागत किया और चल रहे सभी प्रकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोज गोयल गुड़ियानिया, प्रदेश महामंत्री मोहित बंसल, प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रचार मंत्री विपिन गोयल, संजय डालमिया, प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वनाथ गोयल, दीनदयाल गोरखपुरिया, बृजभूषण जैन, अर्जुन मित्तल, राजेश गर्ग, कैलाश गोयल, कमल सर्राफ, सरोज गोयल, कृति गोयल, रितु बिश्नोई, जोगेंद्र पंवार, नवीन शर्मा समेत अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

हिसार। मंदिर परिसर का अवलोकन करते जगद्गुरू शंकराचार्य 1008 अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती। फोटो: हरिभूमि

भारत विकास परिषद ने मनाई स्वामी विवेकानंद की जयंती

हिसार। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा ने स्वामी विवेकानंद जयंती पर लाहौरिया चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर शाखा के सभी सदस्यों ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्रसेवा में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। शाखा अध्यक्ष ऋषिराज बुड़ाकिया ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारतीय ज्ञान एवं संस्कृति का लोहा पूरे विश्व में मनवाया बल्कि उन्होंने देश के युवाओं में एक नई ऊर्जा व प्रेरणा का संचार किया। उनके आदर्श आज भी युवाओं को प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं। मां भारती के ऐसे महान सपूत विरले ही पैदा होते हैं। इस अवसर पर सचिव संजीव गोयल, अजय सिंगला, अशोक शर्मा, सुरेंद्र कुच्छल, सुमित मित्तल, विजय टक्कर, अशोक गर्ग तिलकधारी व प्रदीप गर्ग सहित शाखा अनेक सदस्यों ने स्वामी विवेकानंद को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

हिसार। मुख्यातिथियों से पुरस्कार प्राप्त करते प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

युवा किसी भी समाज या देश के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी: यादव

मंडी आदमपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस पर नेहरू युवा केंद्र संगठन व सुभाष चंद्रा फाउंडेशन द्वारा गोपीराम धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। लगभग 150 बच्चे, यूथ व महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में डांस प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता करवाई गई। इसमें मंडी आदमपुर और कालीरावण के बच्चों ने भाग लिया और बहुत ही शानदार डांस प्रस्तुति की। विकसित भारत भाषण प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम रहने वाली अनु शर्मा ने युवाओं को प्रेरित करते हुए स्वामी विवेकानंद जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में नरेंद्र यादव, सुभाष चंद्रा फाउंडेशन के स्पोर्ट्स इंचार्ज सूबे सिंह बेनीवाल मौजूद थे। डॉ. नरेंद्र यादव ने कहा कि एक युवा समाज की मुख्य कड़ी होता है और एक अच्छे युवा से ही देश का भविष्य उज्ज्वल बनता है। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी समाज या देश के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। सूबे सिंह बेनीवाल ने युवाओं को प्रेरित करते हुए खेल के बारे में बताया कि सुबह-शाम दोनों समय खेलना चाहिए ताकि शरीर और मन स्वस्थ रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नेशनल यूथ वॉलिंटियर सुरेश धायल ने की।

रोडवेज के ग्रुप डी के कर्मचारियों को देनी थी प्रमोशन, कर दिया स्थानांतरण

■ विभागीय उच्चाधिकारियों के रवैये पर रोडवेज सांझा मोर्चा ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा ने सरकार एवं विभागीय उच्चाधिकारियों पर वादाखिलाफी करने व विभाग में कार्यरत ग्रुप डी के कर्मचारियों से अन्याय करने का आरोप लगाया है। सांझा मोर्चा ने चेताया है कि यदि विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ कई मांगों पर सहमति हुई थी लेकिन किसी भी मांग को पूरा नहीं किया गया, जिससे कर्मचारियों में रोष है। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के हिसार डिपो पदाधिकारियों ने कहा कि विभाग के उच्चाधिकारी कर्मचारी वर्ग को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवहन मंत्री की अध्यक्षता में हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल की बैठक पिछले वर्ष 11 जनवरी, 10 मार्च, 23 जून व 13 दिसम्बर को हो चुकी है जिसमें कई मांगों पर सहमति बनी थी लेकिन किसी भी मांग को अभी तक पूरा नहीं किया गया है। सांझा मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य राजबीर दुहन एवं राजकुमार चौहान ने बताया कि राज्य स्तरीय सांझा मोर्चा द्वारा परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों को उपरोक्त बैठकों में बताया गया कि ग्रुप डी के कर्मचारी अभी कर्मशाला के कार्य में निपुण हो चुके हैं जिससे गाड़ियों की ब्रेकडाउन की समस्या भी बहुत कम हो गई है।

24 को करेंगे हड़ताल

साझा मोर्चा ने परिवहन विभाग के उच्चाधिकारियों एवं सरकार के इस फैसले का कड़ा विरोध करते हुए हाल ही में रोहतक में हुई सांझा मोर्चा की बैठक में निर्णय लिया गया की आगामी 24 जनवरी को परिवहन विभाग का प्रत्येक कर्मचारी हरियाणा सरकार एवं परिवहन विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा जो कर्मचारी वर्ग का शोषण किया जा रहा है उसके खिलाफ हड़ताल करेगा। इस अवसर पर सांझा मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य अमित जुगलान, सुरेश स्याहड़वा, नरेंद्र सोनी, सुभाष ढिल्लो व सलीम सरसौद सहित अन्य भी मौजूद थे।

भगवान सदैव रखते हैं भक्त की लाज

■ अग्रसेन भवन में नानी बाई रो मायरो कथा का दूसरा दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही नानी बाई रो मायरो (नरसी जी का भात) कथा के दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय भजन व कथा प्रवक्ता साध्वी सुजाता कृष्ण चंद्र देव ने श्रद्धालुओं को प्रवचन देते कहा कि भक्त और संसार में कभी भी सामंजस्य नहीं होता। संसारी लोग हर प्रकार से एक भक्त को परेशान करने का प्रयास करते हैं। आस पास के लोगों व परिवार जनों ने तरह-तरह से नरसी को अपमानित करने का प्रयास किया।

नरसी ने संत सेवा और गौसेवा में अपनी सारी संपत्ति का दान कर दिया था। परंतु फिर भी उनकी पुत्री नानी बाई (कंवर बाई) का भात भरने के लिए ससुराल वालों ने बड़ी बड़ी मांग रखी।

नानीबाई पर दबाव बनाया कि वह अपने पिता से मायरा मंगवाए। समाज की बहुत सारी बेटियां इन्हीं मांगों के चलते आत्महत्या कर लेती हैं। पुरोहित कोकलिया के हाथों नरसी को पत्रिका भिजवाई जाती है। पत्रिका में ठाकुर जी का नाम देखते ही नरसी की प्रसन्नता का कोई ठिकाना नहीं रहा। संसार चाहे कितने ही प्रयास करे लेकिन भगवान ने सदा अपने भक्त की लाज रखी है।

भगवान के आश्वासन देने पर तथा अपने अटूट विश्वास पर नरसी साधु संतो के साथ खाली हाथ मायरा भरने चल पड़ते हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का आनंद लिया। महाराजा अग्रसेन भवन ट्रस्ट के प्रधान अंजनी कुमार खारियावाला ने बताया कि अनेक गणमान्य लोगों ने कथा में भाग लेकर साध्वी सुजाता व स्वामी चंद्र देवका स्वागत किया। कथा में विवेक गोयल, राजकुमार सिंगल, संजय गुप्ता, सुनीता, एन.के.गोयल, देवीराम जिंदल, प्रवीन जैन, विनोद खाराखेड़ी वाले, दीपक गर्ग, सुमन, नवल किशोर गोयल, वीरभान बंसल, अनिल कुमार सर्राफ, सज्जन मित्तल, संगीता, प्रदीप गर्ग, रेणु, राजश बंसल, मीना सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हिसार। अग्रसेन भवन में आयोजित कथा में प्रवचन देते साध्वी सुजाता व कथा श्रवण करते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

विधायक को पगड़ी व फूल मालाएं पहनाकर किया स्वागत

सोरखी गांव मे सम्मान समारोह का आयोजन

■ 10 लाख पहले दिए थे, निर्माण कार्य अधूरा रहा तो और राशि करवाई जाएगी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

सोरखी गांव में धानक समाज द्वारा शनिवार को श्रम मंत्री अनूप धानक के सम्मान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विधायक विनोद भयाना ने की।

समारोह में पहुंचने पर श्रम मंत्री अनूप धानक तथा विधायक विनोद भयाना को पगड़ी व फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रम मंत्री अनूप धानक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गरीबों का उत्थान कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल करना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। इसलिए नई-नई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही है ताकि इनका लाभ उठाकर गरीब परिवार अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठा सके। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि सरकारी जन कल्याणकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाएं, तभी इन योजनाओं को लागू करने का औचित्य सही साबित होगा।

विधायक विनोद भयाना ने कहा कि सोरखी गांव में चौपाल के निर्माण के लिए मेरे द्वारा विधायक कोटे से 10 लाख रुपये की राशि उपलब्ध करवाई जा चुकी है। अगर निर्माण कार्य अधूरा रहता है तो और धनराशि उपलब्ध करवा कर निर्माण पूरा करवाया जाएगा। इस अवसर पर ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रतिनिधि संजय महला, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरजीत यादव, बख्शी ठकराल, महेंद्र सिंह तथा गांव के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हांसी। श्रम मंत्री अनूप धानक को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते धानक समाज के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

यादव समाज के कॉलेजियम सदस्यों की हुई बैठक

■ आगामी चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी चुने गए

हिसार। यादव धर्मशाला में शनिवार को यादव समाज के कॉलेजियम सदस्यों की मीटिंग हुई, जिसकी अध्यक्षता यादव सभा के प्रधान मास्टर अजीत सिंह यादव ने की। मीटिंग में यादव सभा की सालाना आय तथा व्यय का ब्यौरा दिया गया व 3 सालों वर्ष 2021 से अब तक की धर्मशाला में किए गए कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। यादव सभा की कार्यकारिणी का कार्यकाल आगामी अप्रैल 2024 को समाप्त होने जा रहा है, इसलिए सभी की सहमति से चुनाव अधिकारी गंगादत्त यादव व भूपसिंह को सह चुनाव अधिकारी चुना गया। यादव सभा के आजीवन सदस्य बनने के लिए 5 फरवरी को अंतिम तिथि निश्चित की गई। मीटिंग में कई पूर्व प्रधानों सहित कॉलेजियम सदस्यों ने भाग लिया। मीटिंग सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। इस मीटिंग में सचिव राजेश यादव, सह सचिव धर्मपाल बुआन, वित्त सचिव राजेंद्र यादव, वेद प्रकाश यादव आदि मौजूद थे।

ग्राम पंचायत खरकड़ा

हांसी-1 (Hisar) द्वारा गांव खरकड़ा में पुरानी लोहे की जाली की निलामी 19.01.24 को करवाई जानी है। आप सभी इच्छुक एजेंसी आमंत्रित है।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत खरकड़ा,
ब्लॉक हांसी-1 (हिसार)

खबर संक्षेप

दो दिवसीय शिक्षक कार्यशाला का आयोजन

हिसार। अर्बन एस्टेट स्थित विश्वास सीनियर सैकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 12 जनवरी को सुषमा गौर ने 21वीं शताब्दी के कक्षा कक्ष प्रबंधन व सृजनात्मक चिंतन तथा 13 जनवरी को मोनिषा गुप्ता ने नई शिक्षा नीति-2020 व राष्ट्रीय पाठ्यचर्या (एनसीएफ) की रूपरेखा से संबंधित महत्पूर्ण जानकारियां दीं। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकवृंद में 21वीं शताब्दी के कौशलों का विकास करना था।

रोहित बने मानवाधिकार ऑर्गेनाइजेशन के उपाध्यक्ष

मंडी आदमपुर। मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन के रोहित सोनी को आदमपुर का उपाध्यक्ष का पद पर नियुक्त किया गया है। सोनी ने अपनी नियुक्ति जाने पर ऑर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय महामंत्री तपन अग्निहोत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि वे लोगों को न्याय दिलाने में हमेशा तत्पर रहेंगे।

मेन बाजार के दुकानदारों ने मनाया लोहड़ी पर्व

बरवाला। श्री कृष्ण सुदामा मंदिर के पास मेन बाजार के दुकानदारों द्वारा लोहड़ी पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस लोहड़ी पर्व पर इन दुकानदारों द्वारा ढोल नगाड़ों पर नृत्य करके और सुंदरी मुन्दरी होय के गीत गाकर खुशी मनाई गई तथा मूंगफली रेवड़ी व गजक आदि का प्रसाद वितरित किया गया।

एसपी ने अभिभावकों को दी सलाह

हिसार। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने अभिभावकों को सलाह दी है कि वे अपने बच्चो को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करे। हम सब यह सुनिश्चित करना चाहते है कि हमारा बच्चा साइबर अपराध का शिकार न बने। इसके लिए हमे बच्चों की निगरानी करनी पड़ेंगी। निगरानी की कमी खतरनाक साबित हो सकती है।

फोन छीनने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हिसार। पीएलए चौकी पुलिस ने पटेल नगर से मोबाइल फोन छीनने के मामले में दो आरोपितों 12 क्वार्टर निवासी आकाश और विद्या नगर हिसार निवासी दीपक उर्फ चकरी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से मोबाइल फोन और वारदात में प्रयोग बाइक बरामद किया है।

महिलाओं और लड़कियों को किया जागरूक

हिसार। सेफ सिटी कैंपेन के तहत महिला थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों बस स्टैंड, पार्कों में पहुंच महिलाओ और छात्राओं से उनकी सुरक्षा व उनके अधिकारों पर बातचीत की। एएसआई प्रमिला ने छात्राओं को बताया कि हमें अपने अंदर के डर को मिटाने और अपनी पहचान बनाने की जरूरत है।

282 वाहन चालकों के काटे चालान

हिसार। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने बताया कि हिसार पुलिस ने पिछले सप्ताह को सड़क सुरक्षा सप्ताह के रूप में मना आम नागरिकों और वाहन चालको को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान लेन ड्राइविंग के संबंधित 282 वाहन चालकों के मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किए गए।

अमन नगर धर्मशाला में लोहड़ी व मकर संक्रांति मिलन समारोह का आयोजन

लोहड़ी का पर्व भारत की उल्लासपूर्ण और रंग-बिरंगी संस्कृति का परिचायक : रणधीर

नव ऊर्जा और नए संकल्प के साथ यह उत्सव हमारी परम्पराओं एवं मान्यताओं को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

बरवाला विधानसभा क्षेत्र में आने वाले मिलगेट में अमन नगर धर्मशाला भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लोहड़ी व मकर संक्रांति मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला सचिव एवं पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन दारा सिंह व संजय बिड़लान ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू ने कहा कि नई फसल के आगमन के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला लोहड़ी का पर्व भारत की उल्लासपूर्ण और रंग-बिरंगी संस्कृति का परिचायक है। नव ऊर्जा और नए संकल्प के साथ यह उत्सव हमारी परम्पराओं एवं मान्यताओं को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है। हमें समाज में समरसता और सौहार्द कायम रखने के साथ ही प्रदेश की सुख-समृद्धि में सहभागी बनने का संकल्प लेना चाहिए। इस दौरान उन्होंने लोगों खासकर महिलाओं को केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की मनोहर लाल सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रविंद्र जागलान, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजपाल नियाना, विस्तारक राधे श्याम, बनवारी लाल राजोरिया, सूबे सिंह गुलिया, रमाशंकर, कृष्ण कुमार, कुलदीप भगत, श्रवण शिकारपुर, रघुवीर फौजी, रणवीर शर्मा, मुकेश खामरा, जॉनी मेहरा, राजू शर्मा, सुभाष जांगड़ा, रतन सिंह, सतबीर शर्मा, डॉक्टर सुरेश, गोबिंद सिंह व रामनाथ आदि भी मौजूद रहे।

हिसार। संबोधित करते भाजपा जिला सचिव व पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू।

हिसार। लोहड़ी उत्सव के दौरान नृत्य करती छात्राएं व स्टाफ सदस्य।

लोहड़ी व मकर संक्रांति पूर्व मनाया

हिसार। राजकीय महाविद्यालय में महिला छात्रावास में लोहड़ी व मकर संक्रान्ति का पर्व मनाया गया। इसका आयोजन भारती महिला छात्रावास प्रभारी डॉ. सुमन तथा महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. आशा लता द्वारा किया गया। इस अवसर के मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीपमाला लोहान ने शिरकत की। डॉ. दीपमाला ने लोहड़ी उत्सव के महत्व को बताया कि जो लोह शब्द है उसमें लौह को तवे से संबोधित किया गया है जो कि अनाज का महत्व है। इस अवसर डॉ. निर्मल बूरा, डॉ. कमलेश ख्यालिया, डॉ. निर्मला राठी, डॉ. अनुपम सेरा व आशा रानी उपास्थित रहे।

राजकीय महिला महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का पर्व

हिसार। राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व बड़े धूम-धाम से मनाया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य ने लोहड़ी पर्व पर अग्नि प्रज्जवलित कर पर्व का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के आरंभ में छात्राओं ने पारंपरिक लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। महाविद्यालय प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहार हमारे आपसी सौहार्द के प्रतीक हैं और हमें सभी त्योहारों को मिलजुल कर मनाना चाहिए। इसमें लोहड़ी मिलकर खुशियां बांटने का त्योहार है, वहीं मकर संक्रांति ऋतु परिवर्तन सूर्य के उत्तरायण में जाने का त्योहार है। मकर संक्रांति का पर्व नई शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर महाविद्यालय की उप-प्राचार्या डॉ एलिजा कुंडू, काउंसिल सदस्य डॉ. नीलम दहिया, आचार्य सतबीर, सतीश सिंगला, डॉ. नीलम कुमारी, डॉ. शशि कला यादव आदि उपस्थित रहें। कार्यक्रम के समापन पर सभी छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने नृत्य किया।

हिसार। लोहड़ी पर्व पर कॉलेज स्टाफ व छात्राएं के साथ थिरकती प्राचार्या डॉ. शमीम शर्मा। फोटो: हरिभूमि

लोहड़ी पर्व पर हरियाणावी एवं पंजाबी गीतों पर थिरकी छात्राएं

हिसार। भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में स्टाफ एवं छात्राओं ने उल्लास सहित लोहड़ी का पर्व मनाया। सर्वप्रथम लोहड़ी प्रज्वलित की गई जिसे महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान, डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा व प्राचार्या डॉ. शमीम शर्मा ने अग्नि दी और तिल अर्पित कर अग्निदेव की आराधना की। महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान ने कहा कि जीवन के पांच तत्वों में अग्नि अति महत्वपूर्ण है। हर जीव को उष्मा चाहिए। सूर्य का ताप हमारे लिए और हमारी फसलों के लिए अत्यंत आवश्यक है जो जीवन का आधार है। तत्पश्चात सभी छात्राओं और स्टाफ सदस्यों ने अग्नि की परिक्रमा की और रेवड़ी-मूंगफली-गज्जक का आंनद लिया। महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा ने सभी छात्राओं को लोहड़ी और मकर संक्रांति की बधाई दी। इसके बाद हरियाणावी एवं पंजाबी गीतों की झड़ी लग गई और सभी छात्राओं ने एक दूसरे के साथ मिलकर सामूहिक नृत्य किया। अपने संबोधन में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ शमीम शर्मा ने कहा कि यह त्योहार इस बात का सूचक है कि लोहड़ी की अग्नि में हमें अपने मनमुटाव भी सुलगा देने चाहिए। इस आयोजन में महारानी लक्ष्मीबाई त्रिलोकचंद स्कूल प्राचार्या डॉ. सरिता शर्मा, टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सहित विद्यार्थियों ने शिरकत की।

छाजूराम बीएड कॉलेज में मनाई लोहड़ी

हिसार। छाजूराम शिक्षण महाविद्यालय में शनिवार को हमारी संस्कृति के प्रतीक लोहड़ी में मकर संक्रांति का त्यौहार प्राध्यापकों व गैर शिक्षक कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया। प्राचार्या डॉ. उर्मिला मलिक ने विद्यार्थियों में सभी स्टाफ सदस्यों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दी व इस प्रकार त्योहारों के आयोजन को हमारी संस्कृति का प्रतीक बताया। डॉ रमेश ने सभी का स्वागत व धन्यवाद किया। इस मौके पर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य आरएस मलिक व कार्यकारिणी सदस्य हर्ष बामल भी उपस्थित रहे। निकिता व महक ने लोहड़ी व मकर संक्रांति के महत्व पर प्रकाश डाला ।डॉ रमेश ने सभी का स्वागत व धन्यवाद किया। अंत में सभी विद्यार्थीयों ने पंजाबी गानों पर नृत्य करते हुए कार्यक्रम का आनंद उठाया।

वर्तमान सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का किया काम : श्रम मंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

वर्तमान सरकार दलित, पिछड़े व वंचित समाज के लिए अंत्योदय की सोच के साथ कार्य कर रही है। अंत्योदय की स्कीम परिवार पहचान पत्र के माध्यम से गरीबों को अनेकों सुविधाएं दी जा रही हैं। ऑनलाइन सर्विस से सबसे ज्यादा गरीबों को फायदा पहुंच रहा है, उन्हें घर बैठे ही राशन कार्ड, पेंशन, वजीफा आदि मिल रहे हैं। यह बात श्रम मंत्री अनूप धानक ने शनिवार को गांव जेवरा में धानक समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कही। बरवाला के विधायक जोगीराम सिहाग भी मौजूद रहे। श्रम मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का काम किया है और पूरे प्रदेश में बिना भेदभाव के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। मौके पर जेजेपी के हलकाध्यक्ष अनिल बालकिया, युवा हलकाध्यक्ष नरेश पूनिया, युवा प्रदेश सचिव संदीप खैरी, चेयरमैन प्रतिनिधि अनूप घनघस, सरपंच राजबीर सिंह, मंजीत सरपंच, तरसेम सरपंच, बानी सरपंच, होशियारा सरपंच बीडीसी मैनपाल मौजूद थे।

हिसार। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रम मंत्री अनूप धानक एवं बरवाला विधायक जोगीराम सिहाग। फोटो: हरिभूमि

पड़ाव चौक पर कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाने का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पूर्व निगम पार्षद एडवोकेट मान सिंह चौहान ने पड़ाव चौक पर एमआरएफ सेंटर कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाए जाने का विरोध किया है। उन्होंने इसका विरोध कर रहे पड़ाव भाईचारा सेवा समिति संगठन व स्थानीय लोगों को अपना समर्थन देते हुए कहा कि शहर के बीचों-बीच कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाना बेहद गलत है जबकि यहां से 100 मीटर दूर ऑटो मार्केट में एमआरएफ सेंटर बना हुआ है। इससे यहां रह रहे लोगों का जीवन नरकीय हो जाएगा। प्रशासन को यह एम.आर.एफ. सेंटर ऐसी जगह बनाना चाहिए जहां पर आबादी न हो।

फेयरवेल पार्टी में झूमे विद्यार्थी

- विज्डम स्कूल में फेयरवेल पार्टी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

विज्डम स्कूल में कक्षा 9वीं के छात्रों ने दसवीं के छात्रों के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया। इस दौरान एक दूसरे को शुभकामनाएं दी और खटी मीठी यादों को साझा किया। फेयरवेल पार्टी में रैंप वॉक, नृत्य व अनेक प्रकार के मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया।

इस समारोह में जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर विद्यार्थियों को टाइटल व स्मृति चिह्न देकर कार्यक्रम को यादगार व मनोरंजक बनाया। इस मौके पर दक्षिता गर्ग मिस विज्डम चैतन्य वशिष्ठ मिस्टर विज्डम,लक्ष्य व रेहान मिस्टर फेयरवल तथा इशिता मिस फेयरवल विज्डम चयनित हुए। विद्यालय संस्थापक हरिपाल पिलानिया ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सफलता पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

हिसार। फेयरवेल पार्टी में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

लुवास में उत्साह के साथ मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

हिसार। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षाविद, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. शमीम शर्मा ने विद्यार्थियों और युवाओं को /"उठो, जागो और जागरूक हो, अपनी शक्ति को समझो/" विषय पर संबोधित किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक और प्रेरणास्पद विचार साझा किए और उनके विचारों पर चर्चा की गई जिसमें लुवास के शिक्षकों और छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. पवन कुमार ने छात्रों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. दिव्या अग्निहोत्री ने किया। अंत में डॉ. दीपिका ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना, डॉ. तेज प्रकाश और डॉ. अमन देव मौदगिल उपस्थित रहे।

26 को फिर लगाएंगे पक्का मोर्चा

- पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति की बैठक में लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

72 गांव के बकाया बीमा क्लेम को लेकर एवं गुलाबी सुंडी से कपास की फसल के नुकसान का मुआवजा लेने को की मांग को लेकर किसान 26 जनवरी से हिसार के लघु सचिवालय पर पक्का मोर्चा लगाएंगे। यह निर्णय शनिवार को जाट धर्मशाला में पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति की जिला कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला प्रधान सतीश बेनीवाल ने की तथा संचालन गोपाल ओड नंगथला ने किया। मीटिंग में संगठन के राज्य प्रधान मनदीप नथवान राज्य महासचिव संदीप सिवाच ने विशेष रूप से शिरकत की।

बैठक में आए हुए जिला भर के नेतृत्वकारी कार्यकर्ताओं को संगठन के तौर तरीकों और वर्तमान राजनैतिक स्थिति के बारे में एडवोकेट विक्रम मित्तल ने अवगत करवाया। संगठन के जिला सचिव गोपाल ओड ने बताया कि पिछले लगभग 1 साल से संगठन प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मुआवजे की मांग को लेकर हिसार जिले में संघर्षरत है और पिछले पक्के मोर्चे के दौरान 72 गांव का जो बीमा क्लेम बच गया था।

हिसार। जाट धर्मशाला में बैठक कर चर्चा करते पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

सैलजा की कांग्रेस संदेश यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह : खोवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा की प्रस्तावित कांग्रेस संदेश यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। आगामी 17 जनवरी को हिसार की नई सब्जी से शुरू होने वाली इस यात्रा के लिए जनसंपर्क अभियान जोरों पर है। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि कांग्रेस कार्य समिति की सदस्य और हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा 17 व 18 जनवरी को हिसार लोकसभा क्षेत्र में संदेश यात्रा निकालेंगी। इसके बाद भिवानी में यह यात्रा जारी रहेगी। एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि कुमारी सैलजा ने हमेशा सिद्धांतों की राजनीति की है। इसलिए हर वर्ग व क्षेत्र के लोग उनसे जुड़े हुए हैं। हरियाणा के सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों में निकाली जाने वाली जनसंदेश यात्रा से कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से बहन सैलजा लोगों से मिलकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी व पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। इस दौरान कांग्रेस की कल्याणकारी नीतियों से भी जनता को रूबरू करवाया जाएगा।

क्रेशर मालिक कल उपायुक्त को देंगे ज्ञापन

हिसार। खानक डाडम स्टोन क्रेशर एसोसिएशन, ट्रक यूनियन व मजदूर संघ से जुड़े लोगों द्वारा एचएसआईआईडीसी, खानक कार्यालय के बाहर शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। धरने पर पहुंचे अनेक संगठन से जुड़े लोगों ने अपना समर्थन देने की घोषणा की है। इनमें ग्राम स्वराज मोर्चा, अर्जुन अवाड़ी सत्यवान काद्यान, फौजी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मेजर राममेहर मलिक, मतदाता जागृति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष मलिक, किसान मोर्चा संगठन से कामरेड ओमप्रकाश, किसान महासभा से कामरेड रोहतास आदि ने समर्थन दिया। संगठन के सदस्य जय सिंह सिंधु ने बताया कि 15 जनवरी सोमवार को हजारों की संख्या में मजदूर, चालक व क्रेशर मालिक भिवानी के जिला उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देंगे। धरने पर जय सिंह सिंधु, सुनील जिंदल, उमेश मंगल, राजीव, रमेश श्योराण, जयप्रकाश, सुनील मेहता, मनोज, राकेश बंसल आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9653530207, 9253681005

सरकार की अंत्योदय योजनाओं का लाभ उठा रहें हैं पात्र लाभार्थी

भर्री व बाड्डोपट्टी पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद यात्रा गांव भर्री, मंगाली झारा तथा बाड्डोपट्टी पहुंची। गांव भर्री तथा मंगाली झारा में भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद यात्रा स्वागत डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा तथा बाड्डोपट्टी में अध्यक्ष ईश्वर मालवाल ने लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। डिप्टी स्पीकर ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में मोदी की गारंटी वाली गाड़ी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुझे इस बात पर गर्व हो रहा है कि मात्र 50 दिनों में 10 करोड़ से अधिक लोग इस यात्रा में शामिल हो चुके हैं, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। केंद्र व राज्य सरकार ने अपने लगभग साढ़े 9 साल के कार्यकाल में समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकारी सेवाएं प्रदान करने की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए समाज की मुख्यधारा से जोड़ा है। अगले 25 वर्षों के दौरान हम सबको मिलकर इस देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आमजन को जनकल्याणकारी नीति बनाकर लाभ दिया है।

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा।

विभागीय प्रदर्शनी का किया अवलोकन

विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद के दौरान मुख्य अतिथियों ने जन-संवाद कार्यक्रम के दौरान गांवों में लगाई गई विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित व जागरूक किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन सतबीर वर्मा, बीडीसी चेयरमैन हिसार द्वितीय अजय गावड़, डॉ सतीश कौशिक, योगेंद्र, गांव भर्री सरपंच बिजेंद्र, गांव मंगाली झारा सरपंच जोगेंद्र, मेवा सिंह आदि उपस्थित रहे।

अग्निपथ योजना : 8 से आवेदन होंगे शुरू

हिसार। अग्निपथ योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 2024-25 आगामी 8 फरवरी से 21 मार्च तक होगी, जिसके लिए पोर्टल 8 फरवरी से 21 मार्च तक खुला रहेगा। सेना भर्ती कार्यालय से भर्ती निदेशक ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ऑनलाइन परीक्षा के लिए अभ्यर्थी द्वारा प्रति आवेदक परीक्षा शुल्क 250 रुपये का भुगतान करना होगा। भर्ती वर्ष 2024-25 के लिए अग्निवीरों की भर्ती दो चरणों में की जाएगी। प्रथम चरण ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा (ऑनलाइन सीईई) व द्वितीय चरण भर्ती रैली होगी। भर्ती के लिए इच्छुक उम्मीदवार के लिए अपना नाम वेबसाइट पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि हिसार, फतेहाबाद, सिरसा और जींद जिले के जिन युवाओं का जन्म 1 अक्टूबर 2003 से 30 अप्रैल 2007 के बीच हुआ है और उन्होंने दसवीं या बारहवीं की कक्षा उत्तीर्ण की है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

{ आवरण कथा / आर.सी.शर्मा }

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

{ नवगीत / शिवचरण चौहान }

धूप आई, जान आई

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), लेखक:अनुराग वत्स, मूल्य: 150 रुपए, प्रकाशक: रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

{ कहानी / शीला श्रीवास्तव }

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

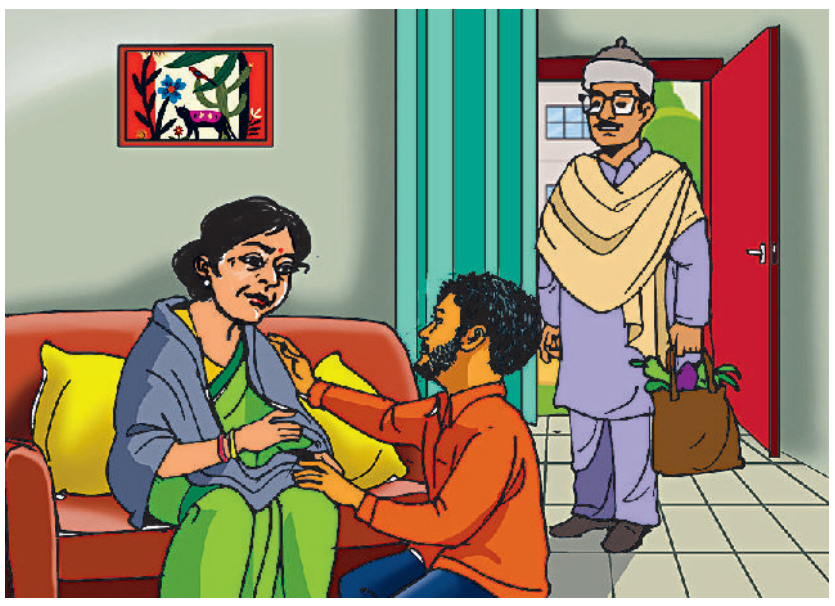

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

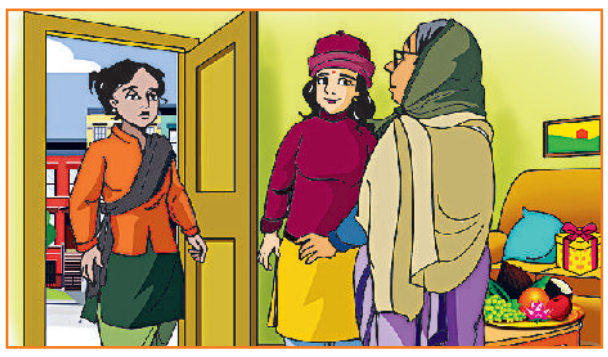

{ लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा }

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

मशहूर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सधती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पार्ट्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएं, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस्ड रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेडी कर सकें, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका

अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*

समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ टूरिस्ट स्पॉट / देवेंद्रराज सुथार }

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थितिः कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहासः ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रणः आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सवः हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पात्रों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोरडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200 कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रणः भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती हैं। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती हैं। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

{ जानकारी / वीना गौतम }

बादाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑल्मंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांग्ला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्हीं में फल बनता है।

अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादनः जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है।

भारत में बादाम की खेतीः भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में होता है।

बढ़ रही बादाम की मांगः आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है।

कमाई का बेहतरीन विकल्पः अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

विशेषः मकर संक्रांति

{ सिने-जगत / अशोक जोशी }

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्में और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पर्दे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें

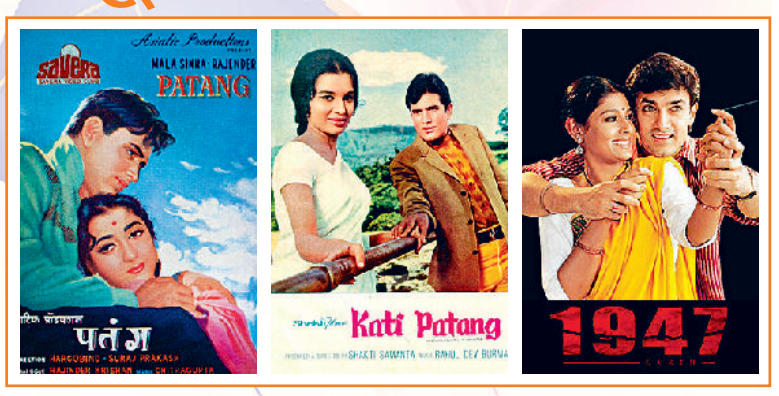

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पर्दे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदले हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पर्दे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान

उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकरार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी(जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुल्तान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लगी' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाते समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है।

नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाया गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झूमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जज्बे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अकसर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आमिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत

फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया..' का एक सीन

'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अठखेलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

जिन फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*

{ सोशल इश्यू / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' }

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-दमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है।

विज्ञापनों की बड़ी भूमिकाः सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चंगुल में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं।

मीडिया की सुनियोजित प्लानिंगः बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है, जबकि औसत हिंदुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। लेकिन मासूम बच्चे यह अंतर नहीं समझ पाते हैं। वह टीवी वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है।

इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों से ही एक्टिंग करवाई जाती है। विज्ञापन का बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इंपैक्ट ऑफ टीवी एडवरटाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

हम सभी बनें सजगः आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंता जताने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*